मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

CBKG–003

भारतीय कालगणना में प्रमाण-पत्र

(सी.बी.के.जी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

सी.बी.के.जी.-003 : भारतीय तथा विश्व के विभिन्न कैलेण्डर

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 70*

नोट : *किन्हीं* ***सात*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

---

1. भारतीय पञ्चाङ्ग का परिचय दीजिए।
2. कालगणना से जुड़े भारतीय पर्वों का वर्णन कीजिए।
3. नववर्ष की अवधारणा स्पष्ट करते हुए भारतीय नववर्षों का उल्लेख कीजिए।
4. सूर्य सिद्धान्त में वर्णित नवविध कालमान का वर्णन कीजिए।

5. कैलेण्डर सुधार समिति द्वारा अपनाए गए शक संवत् की गणना के आधारों का वर्णन कीजिए।
6. विश्व के कैलेण्डर का उद्‌भव और विकास-क्रम का उल्लेख कीजिए।
7. ग्रिगोरियन कैलेण्डर में मासों के नामकरण तथा भारतीय पञ्चाङ्ग के मासों के नामकरण के आधारों को स्पष्ट कीजिए।
8. माया एवं चीन कैलेण्डर में गणना के आधारों की समीक्षा कीजिए।
9. वर्ष 1750 का कैलेण्डर अधिनियम क्या था?
10. कैलेण्डर तथा पञ्चाङ्ग में अन्तर बताइए।

× × × × ×